# Hindi Murli Quiz 06-09-2015

.

*Q.1)* **Q. परमात्मा के बच्चे परम पवित्र बच्चे हैं। पवित्रता की ही महानता है, मान्यता है और पवित्रता ही श्रेष्ठ धर्म अर्थात् धारणा है। पवित्रता का ही महत्व है क्योंकि ---**

**(सभी सही कारण चयन करें )**

A. पवित्रता के कारण ही परम पूज्य और गायन योग्य बनते हैं।
B. इस ईश्वरीय सेवा का बड़े-से-बड़ा पुण्य है - पवित्रता का दान देना।
C. अपवित्रता आत्म-घात है। पवित्रता जीय-दान है।
D. पवित्र बनाना अर्थात् पुण्य आत्मा बनाना।
E. "पवित्र बनो योगी बनो'' यही स्लोगन महान आत्मा बनने का आधार है।
F. ब्राह्मण जीवन के पुरूषार्थ के नम्बर भी पवित्रता के आधार पर हैं।
G. भक्ति मार्ग में यादगार पवित्रता के आधार पर है।

*Q.2)* **Q. "कोई भी भक्त आपके यादगार चित्र को पवित्रता के बिना टच नहीं कर सकते। किन्तु भक्त अल्पकाल के नियम पालन करते हैं। जैसे नवरात्रि मनाते हैं, जन्माष्टमी अथवा दीपमाला या कोई विशेष उत्सव मनाते हैं तो पवित्रता का नियम अल्पकाल के लिए जरूर पालन करते हैं। चाहे शरीर की पवित्रता व आत्मा के नियम, दोनों प्रकार की शुद्धि जरूर रखते हैं।आपकी यादगार विजय माला का भी सुमिरण करेंगे तो पवित्रता की विधि पूर्वक करेंगे।"**

A. True
B. False

*Q.3)* **Q. जब से ब्राह्मण जन्म हुआ तब से बच्चों ने पवित्रता के मुख्य पेपर्स में जो उन्नति की, उसका टोटल रिजल्ट, उचित वाक्य चयन करके, स्पष्ट करें ----**

A. सबसे ज्यादा मैजारिटी कर्मणा में परसेन्टेज ठीक रही।
B. वाचा में कर्मणा की रिजल्ट से 25 परसेन्ट कम रही ।
C. मन्सा में कर्मणा की रिजल्ट से 50 परसेन्ट कम रही ।
D. मन्सा संकल्प और स्वप्न में थोड़ा-सा अन्तर रहा ।
E. बहुतों का पुरूषार्थ करने में उतरना-चढना, कभी संकल्प आया और हटाया, कभी वाचा कर्मणा का दाग हुआ और मिटाया।
F. कुछ तीव्र पुरुषार्थियों ने ऐसे संस्कारों का दाग मिटाया है जो अब तक भी स्वप्न तक बिल्कुल साफ शुद्ध पेपर दिखाई दिया।

*Q.4)* **Q. पास विद आनर होने वाले महान पवित्र आत्माओं की विशेषतायें और उनके पूजन के बारे में जो मुरली में वर्णित है उसको निम्नलिखित वाक्यों ने सही रूप में दर्शाया है अथवा नही, स्पष्ट करें ---**

**"जब से ब्राह्मण जन्म हुआ तब से पवित्रता में पुरूषार्थ करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी, क्योंकि पवित्रता ब्राह्मण जीवन का अनादि आदि संस्कार है। ऐसे नैचुरल संस्कार से स्वप्न व संकल्प में भी अपवित्रता इमर्ज नहीं हुई है। संकल्प आवे और विजयी बनें, इनसे भी ऊपर नैचुरल संस्कार रूप में चले हैं। ऐसे परम पूज्य संस्कार वाले भी देखे, लेकिन मैनॉरटी। औरों की कमजोरियों को सुनते हुए भी, उनको बाप की श्रीमत देते हुए भी, स्वयं सदा पवित्रता में सिद्धि स्वरूप रहे हैं इसलिए ऐसे परम पवित्र आत्माओं का पूजन भी सदा विधि पूर्वक होता है। अष्ट देव के रूप में भी पूजन और भक्तों के इष्ट देव के रूप में भी पूजन।"**

A. True
B. False

*Q.5)* **Q.बापदादा की पवित्रता पर मुख्य शिक्षाएं, इस मैचिंग एक्सरसाइज के द्वारा स्पष्ट करें ---**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | मन्सा परिवर्तन पर डबल अटेन्शन दो। | 1 | लेकिन बहुत काल का अभ्यास ही अन्त में पास करायेगा। |
| | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| B | संकल्प अर्थात् बीज को ही योगाग्नि में जला दो, | 2 | यह नहीं सोचो सम्पन्न बनने तक संकल्प तो आयेंगे ही। |
| C | अन्त में इस सबजेक्ट में सम्पूर्ण नहीं होना है, | 3 | पुरूषार्थ कर नियम पालन करने के नग भी अभी से लगाने हैं। |
| D | ब्राह्मण जीवन का जेवर भी अभी तैयार करना है। | 4 | मास्टर दाता का स्वरूप होगा। देना ही लेना होगा। |
| E | अंत में पुरूषार्था स्वरूप नहीं होगा। | 5 | जो आधाकल्प तक बीज फल न दे सके। |

*Q.6)* **-Q. "अभी मास्टर रचयिता बनने के संस्कार धारण करो। बचपन के संस्कार समाप्त करो। मास्टर रचयिता बन प्राप्त हुई शक्तियों व प्राप्त हुआ ज्ञान, गुण व सर्व खजाने औरों के प्रति वरदानी बन व महाज्ञानी बन व महादानी बनकर देते चलो। वरदानी अर्थात् अपनी शक्तियों द्वारा वायुमण्डल व वायब्रेशन के प्रभाव से आत्माओं को परिवर्तन करना। महाज्ञानी अर्थात् वाणी द्वारा व सेवा के साधनों द्वारा आत्माओं को परिवर्तन करना। महादानी अर्थात् बिल्कुल निर्बल, दिलशिकस्त असमर्थ आत्मा को एकस्ट्रा बल दे करके रूहानी रहमदिल बनना।"**

A. True
B. False

*Q.7)* **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं -----**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | कोई गलत काम कर रहा है और आप तरस कर रहे हो, | 1 | उन्हें सहयोग दो, दान नहीं । |
| B | महादानी अर्थात् बिल्कुल होपलेस केस में होप (उम्मींद) पैदा करना। | 2 | तो सदा तीव्र पुरूषार्था बनो। |
| C | वारिस क्वालिटी के प्रति अथवा आपस में एक दूसरे के प्रति महादानी नहीं। | 3 | कोई भी बात फील करना माना फेल होना । |
| D | आपस में सहयोगी साथी हो, भाई-भाई हो व हमशरीक पुरूषार्था हो, | 4 | यह लगाव है और समझते हैं रहम,ऐसे समय लॉफुल बनना पड़ता है । |
| E | तीव्र पुरूषार्था `कब' नहीं लेकिन `अब' कहते हैं। | 5 | अपनी शक्तियों के आधार से उनको सहयोग देना । |
| F | क्यों, क्या में श्वास निकल जाए तो फेल। | 6 | प्रजा के प्रति महादानी व अन्त में भक्त आत्माओं के प्रति महादानी। |

*Q.8)* **Q. केवल सही वाक्य ही चयन करें ---**

A. एवररेडी माना ऑर्डर आया और चल पड़े । क्या करें, कैसे करें, क्या होगा, कैसे होगा, चल सकेंगे या नहीं चल सकेंगे -- नहीं।
B. तीव्र पुरूषार्था की विशेषता है ही एवररेडी और ऑलराउण्डर
C. ऑलराउण्डर अर्थात मन्सा सेवा का या वाचा सेवा का या कर्मणा सेवा का चान्स मिले लेकिन हर सबजेक्ट में नम्बर वन।
D. मनसा सेवा का अभ्यास बढ़ाओ। अपने स्थान का, शहर का, भारत का व विश्व का वायुमण्डल पॉवरफुल बनाओ।
E. चढ़ती कला यह नहीं कि संख्या वृद्धि को पाये। चढ़ती कला अर्थात संख्या में , क्वालिटी में तथा वायुमण्डल में भी चढ़ती कला।
F. अंगद समान अचल रहने वाला सहज ही विघ्न को पार करेगा क्योंकि वह जानता है कि विघ्न और ही मजबूत बनाने के लिए है।

*Q.9)* **Q. " जैसे वाचा सार्विस से खुशी का अनुभव होता है तो न चाहते भी उस तरफ दौड़ते हो । ऐसे ही अमृतवेले को पॉवरफुल बनाओ, जिससे मन्सा सेवा का अनुभव बढ़ा सकेंगे। लास्ट में वाचा सेवा का चान्स नहीं होगा। मन्सा सेवा पर सर्टीफिकेट मिलेगा क्योंकि इतनी लम्बी क्यू होगी जो बोल नहीं सकेंगे। अभी तो स्थूल लाईट के प्रभाव से आते हैं फिर उस समय आप आत्मा की लाईट का प्रभाव होगा, उस समय मन्सा सेवा करनी पड़ेगी। नजर से निहाल करना पड़ेगा। अपनी वृत्ति से उनकी वृत्ति बदलनी होगी। अपनी स्मृति से उनको समर्थ बनाना पड़ेगा।"**

A. True
B. False

*Q.10)* **Q. " विकारों रूपी ----------को सहजयोग की शैया बना दो तो सदा निश्चिंत रहेंगे । "**

**निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें –**

A. साँपों
B. काँटों
C. माया
D. फूलों
E. गद्दों